

ह. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ घुळे.

—: हरत लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक

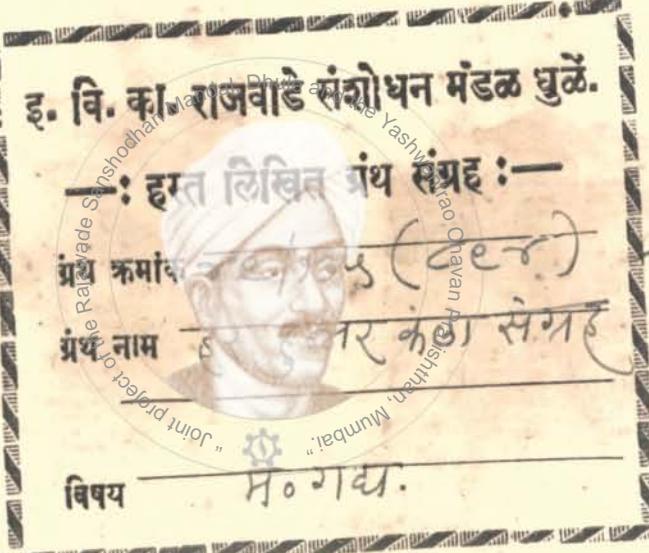
ग्रंथ नाम

विषय

५ (८८)

राज कला संग्रह

क० गद्य.



ना का राजनाड़े.

हुन्हरसंग्रह अपूर्ण
बाट

मराठी-गाय-
मोड़िया लिंग



SC/935

850

四

युत — रुद्रादिवसमर्त्तमिति

9 -

**महाराजा उमर बहुमती राजा
महाराजा अंग बहु महाराजा**

三

द्विंशतिरा

१८ अस्ति राजा, अस्ति राजा, सलमिन्द्र एवं गणे
१९ इतरातो उपाय विवेच्य गच्छते

१ द्वितीया

၁၃၂

~~କରୁଣାମୁଖୀ~~ ୩ ~~ପାତ୍ରମୁଖୀ~~ ୩ ~~କାଳୀ~~ ୨ ~~କରୁଣାମୁଖୀ~~ ୩ ~~ପାତ୍ରମୁଖୀ~~ ୨ ~~କାଳୀ~~ ୨
~~କରୁଣାମୁଖୀ~~ ୧ ~~ପାତ୍ରମୁଖୀ~~ ୧ ~~କାଳୀ~~ ୧ ~~କରୁଣାମୁଖୀ~~ ୧ ~~ପାତ୍ରମୁଖୀ~~ ୧ ~~କାଳୀ~~ ୧
1. ~~କରୁଣାମୁଖୀ~~ ? ~~ପାତ୍ରମୁଖୀ~~ ? ~~କାଳୀ~~ ? ~~କରୁଣାମୁଖୀ~~ ? ~~ପାତ୍ରମୁଖୀ~~ ? ~~କାଳୀ~~ ?
Shodhan Mandal, Dholi and the Yashwan

S
awace

१०. अंगोऽपि विनाशकः ११. अंगोऽपि विनाशकः १२. अंगोऽपि विनाशकः १३. अंगोऽपि विनाशकः १४. अंगोऽपि विनाशकः १५. अंगोऽपि विनाशकः १६. अंगोऽपि विनाशकः १७. अंगोऽपि विनाशकः १८. अंगोऽपि विनाशकः १९. अंगोऽपि विनाशकः २०. अंगोऽपि विनाशकः

७ श्रीराम कल

卷之三

བୋଦ୍ଧ ମାତ୍ରମୁଣ୍ଡ

10

ଦେଖିବାରିକିମୁହୂର୍ତ୍ତରେ
ପାଦିଲା । ॥ ୨ ॥ ୧ ॥ ୩ ॥ ୫ ॥ ୭ ॥ ୯ ॥ ୧୧ ॥ ୧୩ ॥ ୧୫ ॥ ୧୭ ॥ ୧୯ ॥

१०८

~~मातृत्वा गतिरुद्धरणम्~~

1

ବ୍ୟକ୍ତିମାତ୍ର ହୁଏ କିନ୍ତୁ ପରିବାର ଦେଖି
ବି ହୁଏବିଲୁ ଫଳି ମାତ୍ରିଦ କିନ୍ତୁ
କରିବାରୀ ହୁଏ ଜଣି କାମେଇ ଦେଖି

१ द्वारा अभियान
१ द्वारा ३ गुणवत्तमाम् १ रा १ कृष्ण
१ द्वारा १ मुख्यम् १ विष्वामि १ सुराम्
१ द्वारा ३ प्रयत्नम् १ लुप्तम् १ चेत्
१ उपास्य १ द्वारा १ गोवानम् १ द्वारा
२ द्वारा १ द्वारा १ विष्वामि १ विष्वामित्य
१ द्वारा १ लुप्तम् १ चेत् १ द्वारा
१ उपास्य १ गुणवत्तमाम् १ विष्वामि १ द्वारा
१ उपास्य १ गुणवत्तमाम् १ विष्वामि १ द्वारा

१० श्रीमद्भागवत् १० अष्टमा १०

१ राज्य १ विद्युत १ नियन्त्रण १ विद्युत
१ विद्युत १ विद्युत १ विद्युत १ विद्युत
१ विद्युत १ विद्युत १ विद्युत १ विद्युत

Joint Project of the Ralawat
Pratishthen, Munib
Number 26
Date 26-11-1976

१८ ग्रन्थालय ३६ गान्धीजी ४५ देवदत्त
मरीच १८ ग्रन्थालय ३६ गान्धीजी ४५ देवदत्त

१९ चिरामनिगमा। ३- देवदत्त

मरीचला। १९ देवदत्त ३- देवदत्त

(12) १ इत्प्रदानी २ अपेक्षा ३ इत्युक्त ४ इत्युक्त
५ अपेक्षा ६ उपराजनिति प्रयत्नस्य विभिन्न विधिमन्त्रिते
७ विवरण द्विमन्त्रिता ८ विवरण द्विमन्त्रिता

9. गुरुजीनाथदग्ध

१- गुरुप्रसादमिश्र १- निलक्षण ३- देवदत्त १- नवनीति

၅-မြန်မာ

၁၃၀၂ ဧပြီ ၁၇၈၅

(14) 1. परमी 2. वृक्ष 3. जामू 4. प्रसारी
 2. गोव 3. मिलानी

9. दिव्याक्षुप्रयत्नम्

9. दिव्या 9. प्रयत्नम् 10. दिव्य

१३ द्वितीय शब्द
१३ द्वितीय शब्द
१३ द्वितीय शब्द
१३ द्वितीय शब्द
१३ द्वितीय शब्द

(15) ରହିଲୁଣ୍ଡନାମନ୍ତରୀକ୍ଷଣୀୟ ପାଇଁ ପାଇଁ
ରାଜ୍ୟମନ୍ତରୀକ୍ଷଣୀୟ ପାଇଁ

ପାତ୍ରକୁଣ୍ଡିଲାଶ୍ୟକୀ ମହାଦେଵମାତ୍ରମ

८२ चंद्र राजा ३ द्वारा प्रसरण के बाब

३६ उत्तरायण ३ वृषभ ७ गुरुवर्षम् १२ वृषभ
 १६ रा. २ दाव २ गुरुवर्षम् २ गुरुवर्षम् रा. वृषभ

9-~~1939~~ 6

~~11-10-1988~~ ~~11-10-1988~~ ~~11-10-1988~~

(A) *Chosen* 

A portrait of a man with glasses, framed by a decorative border containing handwritten text. The text includes "Pratisthaa", "The F", "1933", "6", and "Pratisthaa".

A circular logo for "Joiner's Proprietary Oil, Mumbai". The outer ring contains the text "Joiner's Proprietary Oil, Mumbai" in a stylized font. Inside the circle is a central emblem consisting of a stylized gear or sunburst design.

७-क्षेत्राय ७-विद्युत् ७-प्रसार ७-विद्युत्

^२ रामुक १ दाता ० जमान ८ मनोरि
^(१) १२ १५ ० १० १४ १७ १९

१०८ सुन्दरी असुन्दरी ॥ १०९ असुन्दरी उमा

911-~~१०२~~ 9-~~८८०~~ 3-~~४५८५~~ ॥१॥

१ विद्यार्थी २ अद्यता ३-४

now

9-~~३२८~~

19) ~~गद्यागु २ दोरे ७ ६६९ अमितल २ दोरे~~

१ पाचित्तम् ॥ राज्यम् ॥ राज्यम् ॥ राज्यम् ॥

१ वल्लभाचार्य १ द्वारा

9-କୁଳମ୍

१०८ ग्रन्थगोली २४ भरतीयज्ञ २५ भास्तुर्विद्या २६ उद्धरितिक्षण

~~२० ग्रन्थालय~~ - ११. असामी - ११. ~~ग्रन्थालय~~

१	कुमारी				
२.	चंद्र	३	वर्षा	३	प्रगति
३.	सूर्य	३	प्रगति	१	जगत्
४.	मनुष्याम्	३	रथि	१	जगत्
५.	पृथिवी	२	रथि	२	द्युमि
६.	दूर्लभ	२	रथि	१	प्रसूति
७.	दूर्लभ	२	रथि	१	प्रसूति
८.	दूर्लभ	२	रथि	१	प्रसूति
९.	दूर्लभ	२	रथि	१	प्रसूति

२- गरुडा १- उम्रक
१- गुप्तवंश १- मर

१ दीपांतमल १ रुद्रमल १ रुद्रमल
 २ उमा २ उमा १ समित्यल १ उमा

११.	किंतु	२	चाहत्य	२	करा	९	उमा
११.	करा	९	ग्राम्य	६	प्रभाव	९	काश
९	करा	११.	करा				
११.	करा						
११.	करा						

११.	काश	२	करा	२	करा	९	उमा
११.	करा	९	ग्राम्य	६	प्रभाव	९	काश
९	करा	११.	करा				
११.	करा						
११.	करा						

— ଶକ୍ତିରେଣୁମାନ

୨ — ଲାଦାନିମନ୍ଦିରାପ୍ରଧାନାବ୍ଦୀରୁକ୍ତପୁରୁଷଙ୍କରିମାନୋ
— କୁମରପାତ୍ରରୁକ୍ତପୁରୁଷଙ୍କରିମାନୋ
(୨) — ଲାଦାନିମନ୍ଦିରାପ୍ରଧାନାବ୍ଦୀରୁକ୍ତପୁରୁଷଙ୍କରିମାନୋ

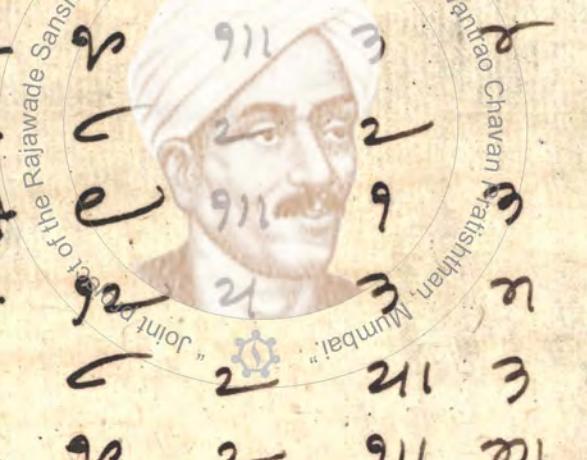
७ विष्णुरभिनवेतां द्विमानपार्वतीयमायतिर्गुण
- उपाधित्पालयान्नकार्यं कलाजनन्दित्य
- पत्न्यतिप्रभवमन्वयताकाश्चायोग्यित्वा

१६ द्वारा उपर्युक्त विषयों की विवरणीयता
१७ अन्तिम प्रभावों की विवरणीयता

- 20 911 911- 2 ,

<u>गोदावरी</u>	92	9	9	5	0	,
<u>गोदावरी</u>	93	0	0	3	0	,
<u>गोदावरी</u>	6	0	6	6	0	,
<u>गोदावरी</u>	98	9	9	9	0	,
<u>गोदावरी</u>	26	2	2	6	0	,

<u>काजी</u>	२०	११	११०	८१	०
(3) <u>काजीन्दी</u>	९२	७	७	८	०
<u>काजी</u>	९४	७	७	८	०
<u>काजीराम</u>	९८	२	७	८	०
<u>काजीपुरी</u>	१११.	७	१३३५	३	०
<u>काजीतोला</u>	९३	७	७	८	०
<u>काजीदंसारी</u>	९२	७	७	३	०
<u>काजीन्दी</u>	९४	७	७	८	०



मालिक	८	१	०१०	९११	०	०
मालिक	८	१	८४३	०	०	०
मालिक	१	१	२१	२	०	०
जाहेर	१	१५१	९११०	०	०	०
दीनम	८	१	०	०	०	०
दीनम	६६९	८	९८	८	०	०
दीनम	२	०१०	२१०	०१०	०	०
दीनम	६६९	६११	८४३	४४४	०	०
दीनम	९८	२	९२	७११	०	०
लोगिय	१०	१	३	३११	०	०
मनिय	१०	१	११	२१	०	०
उपर्युक्त	१०	१०	१०	१०	०	०
दीन	९८	२	१	०	०	०
दीनम	९८	२	९८	१	०	०
नामिय	८	२	१	१	०	०

~~१८७५ छठी में जाने को पढ़ाए गये तथा~~
~~जारी करना आगे लिखने के लिए इसका~~
~~चिह्निं संरक्षित रखा गया है। यह अपने~~
~~गत दोषों के लिए उपयोग किया जा सकता~~

ମୂଲ୍ୟବ୍ୟାଚପତ୍ର

१०८ अनुवाद संस्कृत-हिन्दी

१८४ | १८५ | १८६

ପରିମାଣିତ କାର୍ଯ୍ୟ ଉଲ୍ଲଙ୍ଘନ କରିବାକୁ

ମାତ୍ରମୟକାନ୍ଦମରିବିଲେପାନ୍ଧୁତନାନ୍

ତ୍ୟାମେଜିଲୋଗିପାରାଇହବୁନ୍ତି । ତ୍ୟାମିଶିଖିଲୁଗୁଣ୍ଠି

विनायक चतुर्थी विजयी विजयी विजयी

Rajawali Savan H

Digitized by srujanika@gmail.com

"John," "Member,"

ପାଇବାରୁ କଥା ହେଲା ଏହିପରିମାଣରେ ନାହିଁ

କୁରମାରିଲାଗାଯାଇଥାନ୍ତିରେ

ମନ୍ଦିରାଳୟରେ ମହାକାଵ୍ୟାମଣେ ଧ୍ୟାନରୀତି

ଶରୀରକାଳିତଥାମହାପାତ୍ରାଦିବିଦୀ

तद्यन्तान्मुहूर्तप्रतिक्रीयान् एव देवम्

ଓମନିମାତ୍ରାଦୁର୍ବଲିନିଃ ପାଦାକୁଣ୍ଡଳା

उद्धमिप्रवर्ते

6667 ~~गंधारीम्~~ 6668 ~~कुर्यात्~~ 6669 ~~वासिनी~~

6662 6663 6664 6665

१०४८गंधारीमेनिन्द्रायतिवीर्जनार्ज

मानवादी विद्या

मनोपदेशाद्याद्यावाचम् इति राम एव

स्त्रीमासोमेण विनाशते जला उद्युक्ति गमयन्ति विनाश
प्रवृत्तिमानं च विनाश कर्त्तव्यं विनाशमानं मेण विनाश
गालाते तु पुष्पह प्राप्तु पृथिवीम एजणाते
स्त्रीयां विनाशमानं विनाश विनाशमानं
हेतु विनाशमानं विनाशमानं विनाशमानं
यस्त्रीमेण विनाशमानं विनाशमानं
विनाशमानं विनाशमानं विनाशमानं
विनाशमानं विनाशमानं विनाशमानं
विनाशमानं विनाशमानं विनाशमानं

झीर्णमेष्ट

୨ ଦ୍ୱାରା ଉପରେ ଲାଗୁ ହୋଇଥାଏ ୧୦ ୮୯ ୦୧୦-୨

या विषयातीत एक अन्य विषय यह है कि इसके लिए जो विद्युत उपलब्ध है वह एक बड़ी रकम की हो सकती है। इसके लिए आवश्यक विद्युत की रकम का नियम यह है कि विद्युत की रकम का गुणनफल विद्युत की रकम की तुलना में छोटा होना चाहिए। यह नियम विद्युत की रकम का गुणनफल की तुलना में छोटा होना चाहिए। यह नियम विद्युत की रकम का गुणनफल की तुलना में छोटा होना चाहिए। यह नियम विद्युत की रकम का गुणनफल की तुलना में छोटा होना चाहिए।

~~महायज्ञं जाप्ते चतो दिवी महायज्ञं न पूर्णं~~
~~पूर्णं यज्ञं तत्प्रथा तद्यज्ञं न विश्वामित्रं महायज्ञं~~
~~वृक्षो भास्तु वृक्षो भास्तु यज्ञं न विश्वामित्रं यज्ञं~~
~~उष्णं यज्ञं न विश्वामित्रं यज्ञं न विश्वामित्रं यज्ञं~~
~~स्त्रीं यज्ञं न विश्वामित्रं यज्ञं न विश्वामित्रं यज्ञं~~

५८ - ~~ब्रह्मद्वारा दृष्टि की जाती है।~~

१४ अग्रसंजला दोषाद्युमि तदोरतिरुपान्वेष्य

~~जलेष्वर्गिताप्तिर्गोदमत्तेष्वपुत्राद्युपलग्नि~~

३१ घट्टपदिष्ठायुनलिपुउपद्वप्रजाल्लेभग्नि

- निष्ठावधीनता द्वापरदृष्टिरूपोऽनुवदतो

६ ताम्रपर्णीमित्रायाचरूजनोपुरीकीम्

६ - द्विरुद्धोऽप्यात्रवृत्तिविभागते

~~तोपीयं त्रिष्ठुपिन्दित इमज्जरघेबोद्धरकाले~~

~~तात्पुरान्वयवाच्च अपि विद्यमाना विद्यमाना~~

Sai Shouka *Rishwantrao*

(6) तामगाहपता
Chavare

~~प्राचीन विद्या का अध्ययन~~

ਜੋ ਸਾਡੀ ਹੈ ਅਤੇ ਜੋ ਕਿਸੇ ਵੀ ਨਾਮ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ।

७ पाष्ठमानुषोदामेव

६१ १- दीप्तिराजमन्त्रज २- त्रिपुराराजायत्रमन्त्र

६ विद्युतप्रयोग

✓

୨ - କରାରଙ୍ଗଜିନାରାଧାରାତ୍ମକାଲୁପାଦିନା

(6) चिर्णावज्ञानप्रवृत्तिरुच्चमपाप्यनि

~~प्राचीनतम् विषयम्~~ प्राचीनतम् विषयम्

—ପାତ୍ରାବ୍ଦୀ—

~~କୁମାରପାତ୍ର~~

१०८ श्रीरामचन्द्रसंग्रहम्

~~ରେଣ୍ଡିନ୍ ପାତ୍ରଜାମ୍ କୁହାସ୍ ଯାତ୍ରାକାଳୀନ~~

ରେଣ୍ଡମାନାରୀ

६ सनातनप्रसादपद्मराज
६६६९- ६६६९ गद्याधीशता

~~प्रथम विद्यालय अधिकारी नियन्त्रण बोर्ड के~~
~~संविधान~~

୨ ମାତ୍ରାରୀଙ୍କିରାଜ୍ୟପଦମଧ୍ୟରେ ଯେତୁ

तथा विषयन भास्ति विद्युतम्

କରାନ୍ତିକାମନାବିହାନରେ ପରିଦ୍ୱାରା ପରିବଳିତ

४८५ अप्रैल १९७६ दोषीत्वे महाराजा

— କାମାନଙ୍ଗାଦିମରିତୀମଜାଧୂଳି

~~କରୁଣାତ୍ୟନେ ପରିମଳାତ୍ୟନେ~~

~~କୁମାରପାତ୍ରାନୁଷ୍ଠାନିକାନ୍ତରେ~~

३८५ विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति

४५८ श्रीमद्भागवतः परमार्थिनो च विद्या च विद्यन्

~~परम्यतिभूमिरचनाद्वयं तद्वयं~~

କୋଣାର୍କର ହାତିର ପାଦରେ କାଳାମଧୁରାମନାଥ

~~राज्यपाल नामक विषय का अधिकारी~~ *Rajyalok Mandal, Dhule and the Vicinity*

~~नृकार्यकालम् गतिम् विद्यते~~

प्रिया राम हवन पर्यावरण

*Georgian
Project
of
the
University
of
Graz,
Austria*

663. अमरावती - मुंगेतो 663. एकतो

१ राज्यपाल द्वारा नियमन की गयी प्रक्रिया

~~Emerson~~ ~~Wenckebach~~

२ योग्यमेष्टात्प्रतिमारुदीर्घम्

४३१ द्विषत्तिरुद्राद्यामिवृक्षाद्या
४३२ द्विषत्तिरुद्राद्यामिवृक्षाद्या

गुरु गोदावरी भवनम्

तात्पुरा अविवाहित विद्युति विवाहित

~~प्रायाद्वितीयमेषांस्याप्त~~

ପାଦମୁଖରେ କାହାର କାହାର କାହାର କାହାର

३०५ अंगमरीकरणात्मकाव्याधिकारी

प्रावृद्धिर्गुणादेहं च प्रतिपादितः

~~କରୁଣାମୂଳିକାରୀ ଜ୍ଞାନପଦ୍ମନାଭ~~

~~અનુભૂતિ~~ અનુભૂતિ

(oh) ~~धन्दमान्तिरपूजामिष्यनिवासम्~~
~~सप्तमान्तिरपूजामिष्यनिवासम्~~

—
—

१०५ अधिकारी विजय

<u>नृपतिवारी</u>	<u>जमश्वरी</u>	<u>मुद्रा</u>	<u>विदि</u>
<u>देवस्त्रीया</u>	<u>क्षेत्र</u>	<u>मात्रिप</u>	<u>विदु</u>
<u>द्विवारी</u>	<u>जमपादा</u>	<u>मचू</u>	<u>जंगमस्त्री</u>
<u>चलो</u>	<u>स्त्री</u>	<u>पात्र</u>	<u>उमपात्र</u>
<u>विदा</u>	<u>विदा</u>	<u>विदी</u>	<u>विदा</u>

६- जीर्णमित्राद्यनवीतोपचिकारान्वया

~~କରାଯୁଗରେ କହୁମାନିଦିଲିଲିବାକାମ~~

~~ଶୁଣନ୍ତିରମ୍ଭୁଦୟାମ୍ବନ୍ଧନାନ୍ତି
ଶୁଣନ୍ତିରମ୍ଭୁଦୟାମ୍ବନ୍ଧନାନ୍ତି~~

~~the Yasodhara Central Library~~

~~नमस्तेजानाम
राजामदे वावन~~

12m

६ रातमीरनवाला ० अग्निमयनवाला

— ས୍ତୁରୋଚନେ ମାତ୍ରାକୁ ପାଇଲା ଏହାମାତ୍ରାକୁ

४ चोमानामधिग्राम

9 ~~प्रयोगिक~~ 6662 92

~~१०८ विद्युति १०८ विद्युति १०८ विद्युति~~

०।।।-चुम्ब ०।।।-मुलाजम ०।।।-वेद ०।।।-मुलमधी
०।।।-वेद ०।।।-मुलमधी

०।।= ~~कृष्ण~~ ०।।= रघु ०।।= विष्णु ०।।= शशि ०।।= विष्णु

११२ लग्नायम्

वैद्युतांशुरिपरमागामिलोकामित्रीच

କୁମାରପାତ୍ରନିତିବିଦୀ

सामाजिक याचत व्यवस्था तथा

७ नवाम्बराजीमध्येष्टां दयेष्टावलम्पद्धते ८

१८ चेता ९-गंधम् ३ इति उपरिकाल

१३
१३
~~चारकल्पीनित्यालयी~~

१ प्रामाण्यपात्र

१३ चेरा २ गंधम २ छोड ८ रास

१ प्राक्षाळीचित्र

१४ चेरा १ गंधम १ छोड ८ रास

१ अद्युक्तप्रसन्नप्रसन्नदशुक्लाष्टीपायत्त्वंग्रन्थमेष्टा

१ अद्युक्तप्रसन्नप्रसन्नदशुक्लाष्टीपायत्त्वंग्रन्थमेष्टा

१ अद्युक्तप्रसन्नप्रसन्नदशुक्लाष्टीपायत्त्वंग्रन्थमेष्टा

१ प्रारिदंज्ञानीरवेष्टम्

१ चेरा १ गंधम १ छोड ८ रास

१११ अद्युक्तप्रसन्नप्रसन्नदशुक्लाष्टीपायत्त्वंग्रन्थमेष्टा

११२ पुरचोलासिंहपुष्मिन्दशुक्लाष्टीपायत्त्वंग्रन्थमेष्टा

११३ प्रारिदंज्ञानीरवेष्टम्

११४ चेरा २ गंधम २ छोड ८ रास

११५ अद्युक्तप्रसन्नप्रसन्नदशुक्लाष्टीपायत्त्वंग्रन्थमेष्टा

११६ प्रारिदंज्ञानीरवेष्टम्

११७ चेरा १ गंधम १ छोड ८ रास

११८ अद्युक्तप्रसन्नप्रसन्नदशुक्लाष्टीपायत्त्वंग्रन्थमेष्टा

११९ प्रारिदंज्ञानीरवेष्टम्

१२० चेरा १ गंधम १ छोड ८ रास

१२१ अद्युक्तप्रसन्नप्रसन्नदशुक्लाष्टीपायत्त्वंग्रन्थमेष्टा

१२२ अनाप्तासुरप्रसन्नप्रसन्नदशुक्लाष्टीपायत्त्वंग्रन्थमेष्टा

१२३ प्रारिदंज्ञानीरवेष्टम्

१२४ प्रारिदंज्ञानीरवेष्टम्

१२५ चेरा १ गंधम १ छोड ८ रास

१२६ प्रारिदंज्ञानीरवेष्टम्

१२७ चेरा २ गंधम १ छोड ८ रास

१२८ प्रारिदंज्ञानीरवेष्टम्

१२९ चेरा २ गंधम १ छोड ८ रास

१३० प्रारिदंज्ञानीरवेष्टम्

१३१ चेरा २ गंधम १ छोड ८ रास

१३२ प्रारिदंज्ञानीरवेष्टम्

१३३ चेरा ११ छोड १ गंधम



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com